UTKARSH CLASSES

For Session 2022-23

RBSE

भूगोल

CLASS-XII

मॉडल पेपर्स

सॉल्यूशन सहित

RBSE द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम व ब्लूप्रिंट पर आधारित नवीनतम मॉडल पेपर

भूगोल (14)

MODEL PAPER (RBSE) 1

कक्षा-XII

समय : 3 घंटे 15 मिनट

पूर्णांक : 56

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश:

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्नों का अंक भार निम्नानुसार है।

खण्ड	प्रश्न की संख्या	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	कुल अंक भार
खण्ड- अ (A)	1 (i to ix) 2 (i to iv) 3 (i to iv)	17	1	17
खण्ड- ब (B)	4 से 15	12	1½	18
खण्ड- स (C)	16 से 18	3	3	9
खण्ड- द (D)	19 से 20	2	4	8
खण्ड- य (E)	21 से 22	2	2	4

7. प्रश्न क्रमांक 21 से 22 मानचित्र कार्य से संबंधित हैं और प्रत्येक 2 अंक का है।
8. भारत एवं विश्व के उपलब्ध कराये गये रेखा मानचित्रों को उत्तर पुस्तिका के साथ नत्थी करें।

खण्ड-अ

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

(i) "मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है", यह परिभाषा किसने दी? [1]

(अ) एलन सी. सेंपल (ब) ग्रिफिथ टेलर
(स) लाब्लाश (द) रैटजेल

(ii) जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त की अंतिम अवस्था में जन्मदर व मृत्युदर दोनों ही- [1]

(अ) बढ़ जाती है। (ब) घट जाती है।
(स) स्थिर रहती है। (द) घटकर फिर बढ़ जाती है।

(iii) निम्न में से किस देश का आयु-लिंग पिरामिड विस्तारित होती जनसंख्या का सूचक नहीं है? [1]

(अ) नाईजीरिया (ब) बांग्लादेश
(स) मैक्सिको (द) ऑस्ट्रेलिया

(iv) नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. अमर्त्य सेन ने विकास हेतु बल दिया- [1]

(अ) अर्थव्यवस्था में वृद्धि पर (ब) विकल्पों में वृद्धि पर
(स) स्वतंत्रताओं में वृद्धि पर (द) अन्वेषण में वृद्धि पर

(v) 'सेवा सेक्टर' के अन्तर्गत कौनसे क्रियाकलाप नहीं आते है? [1]

(अ) द्वितीयक (ब) तृतीयक
(स) चतुर्थक (द) पंचम

(vi) 'बिग इंच' हैं- [1]

(अ) ब्राजील की एक रेललाइन
(ब) दक्षिणी अफ्रीका की एक सुरंग
(स) अमेरिका की एक पाइपलाइन
(द) ऑस्ट्रेलिया की एक हवाई सेवा

(vii) निम्न में से खनन नगर के उदाहरण हैं- [1]

(अ) ब्रोकन हिल व धनबाद (ब) पिट्सबर्ग व जमशेदपुर
(स) मियामी व पणजी (द) एम्सटर्डम व आगरा

(viii) 'कुंड या टाँका' होता है- [1]

(अ) जल प्रदूषण नियंत्रक यंत्र (ब) झील का एक प्रकार
(स) तालाबों को जोड़ने का तरीका (द) वर्षा जल संग्रहण ढाँचा

(ix) जल प्रदूषण के कारण रोग होता है- [1]

(अ) हेपेटाइटिस (ब) श्वसन तंत्रीय
(स) टाइफाइड (द) हृदय रोग

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(i) विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि की मुख्य फसल .....है। [1]

(ii) सँयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा प्रथम मानव विकास सूचकांक रिपोर्ट सन् ..... में जारी की गई। [1]

(iii) भारत में सर्वाधिक सूतीवस्त्र मिलें ..... राज्य में हैं। [1]

(iv) 'इंदिरा गाँधी नहर' जिसका पहले ..... नहर नाम था। [1]

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

(i) सामाजिक भूगोल के किन्हीं दो उपक्षेत्रों के नाम बताइए। [1]

(ii) प्राथमिक क्रियाओं से क्या तात्पर्य है? [1]

(iii) भारत के किन दो राज्यों में भौमजल के अत्यधिक उपयोग से 'संखिया' के संकेन्द्रण में वृद्धि हो गई है? [1]

(iv) 'ध्वनि प्रदूषण' किसे कहते हैं? [1]

खण्ड - ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

4. जनसंख्या के वितरण को परिभाषित कीजिए। [1½]

5. मानव विकास के उच्च स्तर व निम्न स्तर वाले देशों द्वारा किए जाने वाले व्यय (निवेश) में अन्तर बताइए। [1½]

6. यदि आपको लन्दन से सिडनी की समुद्र यात्रा करनी हो तो, किस समुद्री जल मार्ग का चयन करेंगे और क्यों? [1½]

7. प्रादेशिक व्यापार समूहों का क्या औचित्य हैं? ऐसे किन्हीं दो समूहों के नाम बताइए। [1½]

8. तेल व आंत्रपो पत्तनों को उदाहरण सहित समझाइए। [1½]

9. ग्रामीण बस्तियों में रैखिक एवं आयताकार प्रतिरूप कहाँ निर्मित होते हैं? [1½]

10. भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात हुए जनसंख्या विस्फोट के तीन कारण बताइए। [1½]

11. भारत में प्रवास के तीन प्रतिकर्ष कारक बताइए। [1½]

12. 'स्मार्ट सिटी मिशन' से आप क्या समझते हैं? [1½]

13. सौर ऊर्जा के तीन लाभ बताइए। [1½]

14. खण्डीय नियोजन से आप क्या समझते हैं? [1½]

15. कोलकात्ता पत्तन पर टिप्पणी लिखिए। [1½]

खण्ड-स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-

16. व्यापार के निम्नलिखित प्रारूपों पर टिप्पणी लिखिए- [1½+[1½]=3]

(i) थोक व्यापार

(ii) फुटकर व्यापार

17. भारत के किन्ही दो मुख्य औद्योगिक प्रदेशों की संक्षिप्त में व्याख्या कीजिए। [3]

18. भारत में सड़क परिवहन के निम्न वर्गो का वर्णन कीजिए- [1x3=3]

(i) राष्ट्रीय महामार्ग

(ii) राज्य महामार्ग

(iii) जिला सड़कें

खण्ड - द

निबन्धात्मक प्रश्न–

19. परम्परागत बड़े पैमाने वाले औद्योगिक प्रदेशों की विशेषताओं को समझाते हुए जर्मनी के रूहर क्षेत्र के परिवर्तित परिदृश्य का विश्लेषण कीजिए। [2+2=4]

अथवा

कुटीर एवं लघु (छोटे पैमाने के) उद्योगों की तुलना निम्नलिखित तत्वों के आधार पर कीजिए- [1×4=4]

(i) तकनीक एवं पूँजी निवेश

(ii) श्रमशक्ति

(iii) कच्चा माल व निर्मित माल

(iv) बाजार

20. भारत में जूट एवं गन्ना फसलों की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं तथा मुख्य उत्पादक केन्द्रों का वर्णन कीजिए। [4]

अथवा

भारत में भू-उपयोग वर्गीकरण को समझाइए। [4]

खण्ड - य

21. दिए गए भारत के मानचित्र में निम्न तेल शोधन कारखानों को दर्शाइए- [½x4=2]

(अ) मथुरा

(ब) बरौनी

(स) डिगबोई

(द) कोयली

22. दिए गए विश्व के मानचित्र में निम्न समुद्री पत्तनों को दर्शाइए- [½x4=2]

(अ) लंदन

(ब) सैन फ्रांसिस्को

(स) योकोहामा

(द) कोलंबो

उत्तरमाला – 01

खण्ड - अ

1.

(i) **[द]**
"मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है", यह परिभाषा जर्मन विद्वान फ्रेडरिक रैटजेल ने दी।

(ii) **[ब]**
जनांकिकीय संक्रमण सिद्ध की अन्तिम अवस्था में जनसंख्या नगरीय, शिक्षित व तकनीकी ज्ञान से युक्त होती है, इसी कारण जन्मदर एवं मृत्युदर दोनों ही घट जाती है।

(iii) **[द]**
विस्तारित होती जनसंख्या का पिरामिड 'त्रिभुजाकार' होता है। जो अल्प विकसित देशों का प्रतिरूपी है। जैसे- बांग्लादेश, मैक्सिको, नाइजीरिया आदि। ऑस्ट्रेलिया का आयु-लिंग पिरामिड स्थिर जनसंख्या वाला है।

(iv) **[स]**
नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने विकास का मुख्य ध्येय स्वतंत्रता में वृद्धि के रूप में देखा। रुचिकर बात यह है कि स्वतंत्रताओं में वृद्धि भी विकास लाने वाला सर्वाधिक प्रभावशाली माध्यम है।

(v) **[अ]**
तृतीयक, चतुर्थक व पंचम क्रियाकलाप 'सेवा सेक्टर' से संबंधित हैं। जबकि द्वितीयक क्रियाकलाप 'निर्माण व विनिर्माण' क्रियाओं से संबंधित है।

(vi) **[स]**
'बिग इंच' स. रा. अमेरिका की एक पाइपलाइन है जो मैक्सिको की खाड़ी में स्थित तेल के कुओं से उत्तरी-पूर्वी राज्यों तक तेल परिवहन के लिए उपयोगी है।

(vii) **[अ]**
ब्रोकन हिल (ऑस्ट्रेलिया) व धनबाद (झारखण्ड, भारत) खनन नगर हैं, एम्सटर्डम, आगरा व्यापारिक गतिविधियों वाले नगरों के रूप में जाने जाते हैं।

(viii) **[द]**
'कुंड या टाँका' (एक ढकी हुई भूमिगत टंकी) वर्षा जल संग्रहण का ढाँचा है। राजस्थान में इनका निर्माण घर अथवा गाँव के पास वर्षा जल को एकत्र करने के लिए किया जाता है।

(ix) **[अ]**
'हेपेटाइटिस' जल प्रदूषण के कारण होता है। श्वसन तंत्रीय रोग वायु प्रदूषण से, टाइफाइड ठोस अपशिष्ट से तथा हृदय रोग खराब खानपान व दिनचर्या से होते हैं।

2.

(i) गेंहूँ
(ii) 1990
(iii) तमिलनाडु
(iv) राजस्थान

3.

(i) चिकित्सा भूगोल और ऐतिहासिक भूगोल।
(ii) **प्राथमिक क्रियाएँ** प्रत्यक्ष रूप से पर्यावरण पर निर्भर है, क्योंकि ये पृथ्वी के संसाधनों जैसे भूमि, जल, वनस्पति, भवन निर्माण सामग्री एवं खनिजों के उपयोग के विषय में बतलाती हैं।
(iii) बिहार और पश्चिम बंगाल।
(iv) विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न ध्वनि का मानव की सहनीय सीमा से अधिक तथा असहज होना ही **ध्वनि प्रदूषण** है।

खण्ड - ब

4. पृथ्वी पर मनुष्य का स्थानिक फैलाव जनसंख्या वितरण कहलाता है अर्थात् पृथ्वी पर लोग किस प्रकार वितरित है, पृथ्वी पर लोग कहाँ-कहाँ निवास करते हैं, इसे जनसंख्या वितरण कहते हैं। कई भौतिक कारक (भू-आकृति, जलवायु, मृदा, जल) आर्थिक कारक (खनन, नगरीकरण, औद्योगीकरण) तथा सामाजिक सांस्कृतिक कारक जनसंख्या वितरण को प्रभावित करते हैं।

5. उच्चतर मानव विकास वाले देश वे हैं जहाँ सामाजिक खंड में बहुत निवेश हुआ है। लोगों और सुशासन में उच्चतर निवेश ने इस वर्ग के देशों को अन्य देशों से सर्वथा अलग कर दिया है। जबकि दूसरी ओर मानव विकास के निम्न स्तरों वाले देश सामाजिक सेक्टरों की बजाय प्रतिरक्षा पर अधिक व्यय करते हैं।

6. यदि हमें लन्दन से सिडनी की समुद्री यात्रा करनी हो तो हम यूरोप से मध्य अमेरिका तक उत्तरी अटलांटिक, अटलांटिक से प्रशान्त महासागर तक पनामा नहर तथा मध्य अमेरिका से ऑस्ट्रेलिया तक दक्षिणी प्रशान्त जलमार्ग का चयन करेंगे, ऐसा इसलिए क्योंकि यह जलमार्ग सबसे उचित, कम दूरी वाला एवं सस्ता रहेगा।

7. प्रादेशिक व्यापार समूह व्यापार की मदों में भौगोलिक सामीप्य, समरूपता और पूरकता के साथ देशों के मध्य व्यापार को बढ़ाने एवं विकासशील देशों के व्यापार पर लगे प्रतिबंध को हटाने के उद्देश्य से अस्तित्व में आए हैं। दो प्रमुख प्रादेशिक व्यापार समूहों के नाम इस प्रकार है-
(i) ई.यू. (यूरोपीय संघ)।
(ii) साफ्टा (साउथ एशियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट)।

8. **तेल पत्तन:** ये पत्तन तेल के प्रक्रमण और नौ-परिवहन का कार्य करते हैं। इनमें से कुछ टैंकर पत्तन हैं तथा कुछ तेल शोधन पत्तन हैं। वेनेजुएला में माराकाइबो, लेबनान में त्रिपोली टैंकर पत्तन हैं।
आंत्रपो पत्तन: ये वे एकत्रण केंद्र हैं, जहाँ विभिन्न देशों से निर्यात हेतु वस्तुएँ लाई जाती हैं। सिंगापुर एशिया के लिए, रोटरडम यूरोप के लिए एक आंत्रपो पत्तन है।

9. **रैखिक प्रतिरूप:** इस प्रकार की बस्तियों में मकान सड़कों, रेल लाइनों, नदियों, नहरों, घाटी के किनारे अथवा तटबंधों पर स्थित होते हैं।
आयताकार प्रतिरूप: ग्रामीण बस्तियों का यह प्रतिरूप समतल क्षेत्रों अथवा चौड़ी अंतरा पर्वतीय घाटियों में पाया जाता है। इसमें सड़कें आयताकार होती हैं जो एक दूसरे को समकोण पर काटती हैं।

10. भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात हुए जनसंख्या विस्फोट के तीन कारण निम्नलिखित हैं-

- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद केंद्रीकृत नियोजन प्रक्रिया के माध्यम से विकासात्मक कार्यों को आरंभ किया गया।
- अर्थव्यवस्था सुधरने लगी जिससे अधिकांश लोगों के जीवन की दशाओं में सुधार सुनिश्चित हुआ।
- इन सबके अतिरिक्त पड़ोसी देशों से आने वाले लोगों ने भी उच्च वृद्धि दर में योगदान दिया।

11. प्रतिकर्ष कारक वे होते हैं जो लोगों को निवास स्थान अथवा उद्गम स्थल को छुड़वाने का कारण बनते हैं। भारत में प्रवास के तीन प्रमुख प्रतिकर्ष कारक निम्न हैं-

- कृषि भूमि पर जनसंख्या के अधिक दबाव के कारण उत्पन्न बेरोजगारी।
- स्वास्थ्य व शिक्षा जैसी आधारभूत अवसंरचनात्मक सुविधाओं का अभाव।
- इन कारकों के अतिरिक्त बाढ़, सूखा, चक्रवातीय तूफान, भूकम्प, सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाएँ।

12. स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य शहरों को बढ़ावा देना है जो आधारभूत सुविधा, साफ तथा सतत पर्यावरण और अपने नागरिकों को बेहतर जीवन प्रदान करते हैं। स्मार्ट शहरों की एक विशेषता आधारभूत सुविधाओं और सेवाओं के लिए स्मार्ट समाधानों को लागू करना है। इस योजना में सतत तथा समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

13. सौर ऊर्जा के तीन लाभ निम्नलिखित है-

- यह लागत प्रतिस्पर्धी, पर्यावरण अनुकूल तथा निर्माण में आसान है।
- सौर ऊर्जा कोयला अथवा तेल आधारित संयंत्रों की अपेक्षा 7 प्रतिशत अधिक और नाभिकीय ऊर्जा से 10 प्रतिशत अधिक प्रभावी है।
- यह सामान्यतः हीटरों, फ़सल शुष्ककों, कुकर्स आदि जैसे उपकरणों में अधिक प्रयोग की जाती है।

14. नियोजन के दो उपगमन होते हैं: खंडीय नियोजन और प्रादेशिक नियोजन।

खंडीय नियोजन का अर्थ है- अर्थव्यवस्था के विभिन्न सेक्टरों, जैसे- कृषि, सिंचाई, विनिर्माण, ऊर्जा, निर्माण, परिवहन, संचार, सामाजिक अवसंरचना और सेवाओं के विकास के लिए कार्यक्रम बनाना तथा उनको लागू करना। किसी क्षेत्र में लोगों के समग्र व संतुलित आर्थिक विकास हेतु खंडीय नियोजन अति आवश्यक है।

15. कोलकाता पत्तन- हुगली नदी द्वारा लाई गई गाद की समस्या से भी जूझता रहा है जो कि उसे समुद्र से जुड़ने का मार्ग प्रदान करती है। इसके पृष्ठ प्रदेश के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और उत्तर-पूर्वी राज्य आते हैं। इन सबके अतिरिक्त, यह पत्तन हमारे भूटान और नेपाल जैसे स्थलरुद्ध पड़ोसी देशों को भी सुविधाएँ उपलब्ध कराता है।

खण्ड-स

16. थोक व्यापार- थोक व्यापार का गठन अनेक बिचौलिए सौदागरों और पूर्तिघरों द्वारा होता है न कि फुटकर भंडारों द्वारा। श्रृंखला भंडारों सहित कुछ बड़े भंडार विनिर्माताओं से सीधी खरीद करते हैं। फिर भी बहुसंख्यक फुटकर भंडार बिचौलिए स्रोत से पूर्ति लेते हैं। थोक विक्रेता प्रायः फुटकर भंडारों को उधार देते हैं, यहाँ तक कि फुटकर विक्रेता अधिकतर थोक विक्रेता की पूँजी पर ही अपने कार्य का संचालन करते हैं।

फुटकर व्यापार- ये वह व्यापारिक क्रियाकलाप हैं जो उपभोक्ताओं को वस्तुओं के प्रत्यक्ष विक्रय से संबंधित हैं। अधिकांश फुटकर व्यापार केवल विक्रय से नियत प्रतिष्ठानों और भंडारों में संपन्न होता है। फेरी, रेहड़ी, ट्रक, द्वार से द्वार, डाक आदेश, दूरभाष, स्वचालित बिक्री मशीनें तथा इंटरनेट फुटकर बिक्री के भंडार रहित उदाहरण हैं।

17. मुंबई-पुणे औद्योगिक प्रदेश- यह मुंबई-थाने से पुणे तथा नासिक और शोलापुर ज़िलों के संस्पर्शी क्षेत्रों तक विस्तृत है। इस प्रदेश का विकास मुंबई में सूती वस्त्र उद्योग की स्थापना के साथ प्रारंभ हुआ। उद्योग की आवश्यकता पूर्ति के लिए पश्चिमी घाट प्रदेश में जलविद्युत शक्ति का विकास किया गया। इसमें अभियांत्रिकी वस्तुएँ, पेट्रोलियम परिशोधन, पेट्रो-रासायनिक, चमड़ा, संश्लिष्ट और प्लास्टिक उद्योगो का भी विकास हुआ।

बेंगलूरु-चेन्नई औद्योगिक प्रदेश- 1960 तक उद्योग केवल बेंगलूरु, सेलम और मदुरई जिलों तक सीमित थे लेकिन अब वे तमिलनाडु के विल्लुपुरम को छोड़कर लगभग सभी जिलों में फैल चुके हैं। कपास उत्पादक क्षेत्र होने के कारण सूती वस्त्र उद्योगो ने सबसे पहले पैर जमाए थे। अनेक भारी अभियांत्रिकी उद्योग बंगलौर में एकत्रित हो गए। टेक्सटाइल, रेल के डिब्बे, डीज़ल इंजन, चमड़े का सामान आदि महत्वपूर्ण उद्योग हैं।

18. राष्ट्रीय महामार्ग- वे प्रमुख सड़कें, जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा निर्मित एवं अनुरक्षित किया जाता है, राष्ट्रीय महामार्ग के नाम से जानी जाती है। इन सड़कों का उपयोग अंतर्राज्यीय परिवहन तथा सामरिक क्षेत्रों तक रक्षा सामग्री एवं सेना के आवागमन के लिए होता है। ये महामार्ग राज्यों की राजधानियों, प्रमुख नगरों, महत्वपूर्ण पत्तनों तथा रेलवे जंक्शनों को भी जोड़ते हैं।

राज्य महामार्ग- इन मार्गों का निर्माण एवं अनुरक्षण राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है। ये राज्य की राजधानी से जिला मुख्यालयों तथा अन्य महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ते हैं। ये मार्ग राष्ट्रीय महामार्गों से जुड़े होते

जिला सड़कें- ये सड़कें जिला मुख्यालयों तथा ज़िले के अन्य महत्वपूर्ण स्थलों के बीच संपर्क मार्ग का कार्य करती हैं।

खण्ड - द

19. परम्परागत बड़े पैमाने वाले औद्योगिक प्रदेशों की विशेषताएँ-

- यह भारी उद्योग के क्षेत्र होते हैं।
- इनमें कोयला खदानों के समीप स्थित धातु पिघलाने वाले उद्योग, भारी इंजीनियरिंग, रसायन निर्माण, वस्त्र उत्पादन इत्यादि का कार्य किया जाता है।

- इन्हें धुएँ की चिमनी वाला उद्योग भी कहते हैं।
- निर्माण उद्योगों में रोजगार का अनुपात ऊँचा होता है।
- यहाँ उच्च गृह घनत्व, जिसमें घर घटिया प्रकार के होते हैं, पाया जाता है।
- सेवाएँ अपर्याप्त होती हैं।
- वातावरण अनाकर्षक होता है जिसमें गंदगी के ढेर व प्रदूषण होता है।
- बेरोज़गारी की समस्या, उत्प्रवास, विश्वव्यापी माँग कम होने से कारखाने बंद होने के कारण परित्यक्त भूमि का क्षेत्र निर्मित हो जाता है।

जर्मनी का रूहर क्षेत्र-

यह लंबे समय से यूरोप का प्रमुख औद्योगिक प्रदेश रहा है। कोयला, लोहा एवं इस्पात यहाँ अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार रहा है। कोयले की माँग में कमी आने के कारण उद्योग संकुचित होने लगा। यहाँ लौह अयस्क समाप्त होने पर भी जलमार्ग से आयातित अयस्क का प्रयोग करके उद्योग कार्यशील रहा है।

जर्मनी के रूहर क्षेत्र का परिवर्तित परिदृश्य ('नया रूहर' भू-दृश्य)-

- जर्मनी के इस्पात उत्पादन का 80 प्रतिशत रूहर से प्राप्त होता है।
- औद्योगिक ढाँचे में परिवर्तन के कारण कुछ क्षेत्रों के उत्पादन में गिरावट आई है एवं प्रदूषण व औद्योगिक अपशिष्ट की समस्या भी होने लगी है।
- अब रूहर के भविष्य की संपन्नता कोयले व इस्पात के बजाय नए उद्योग जैसे ओपेल कार बनाने का विशाल कारखाना, नए रासायनिक संयंत्र, विश्वविद्यालय इत्यादि पर आधारित है।
- यहाँ खरीदारी के बड़े-बड़े बाज़ार बन गए हैं जिससे एक 'नया रूहर' भू-दृश्य विकसित हो रहा है।

अथवा

(i) तकनीक एवं पूँजी निवेश

कुटीर उद्योग- यह निर्माण की सबसे छोटी इकाई है। इसमें साधारण औज़ारों द्वारा परिवार के सभी सदस्य मिलकर अपने दैनिक जीवन के उपभोग की वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। पूँजी एवं परिवहन इन उद्योगों को अधिक प्रभावित नहीं करते हैं।

लघु उद्योग- इसके उत्पादन की तकनीक एवं निर्माण स्थल दोनों कुटीर उद्योग से भिन्न होते हैं। इन उद्योगों में कुटीर उद्योगों की तुलना में अधिक पूँजी निवेश तथा अपेक्षाकृत उच्च स्तरीय तकनीक की आवश्यकता होती है।

(ii) श्रमशक्ति

कुटीर उद्योग- इन उद्योगों में अधिकतर परिवार के सदस्य ही श्रमशक्ति के रूप में कार्यरत रहते है तथा ये श्रमिक अर्द्धकुशल अथवा अकुशल होते हैं।

लघु उद्योग- इसमें अर्द्धकुशल श्रमिक व शक्ति के साधनों से चलने वाले यंत्रों का प्रयोग किया जाता है।

(iii) कच्चा माल व निर्मित माल

कुटीर उद्योग- इसमें शिल्पकार स्थानीय कच्चे माल का उपयोग करते हैं। इस उद्योग में दैनिक जीवन के उपयोग में आने वाली वस्तुएँ उत्पादित की जाती हैं। उदाहरण- खाद्य पदार्थ, कपड़ा, चटाइयाँ, बर्तन, औज़ार और फर्नीचर आदि।

लघु उद्योग- इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग होता है। हालांकि कच्चे व निर्मित माल की गुणवत्ता कुटीर उद्योगों की तुलना में अधिक उच्च होती है। उदाहरण- वस्त्र, चीनी, लौह इस्पात इत्यादि उद्योग।

(iv) बाजार-

कुटीर उद्योग- इसमें तैयार माल का या तो निर्माता स्वयं उपभोग करते है या इसे स्थानीय गाँव के बाज़ार में विक्रय कर देते हैं।

लघु उद्योग- कुटीर उद्योगों की तुलना में इन उद्योगों का बाजार वृहद् होता है। स्थानीय स्तर के अलावा इनका तैयार माल अन्त: राज्य व अन्तर राज्य स्तर पर विक्रय होता है।

20. जूट:

महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ- जूट का प्रयोग मोटे वस्त्र, थैला, बोरे व अन्य सजावटी सामान बनाने में किया जाता है। यह पश्चिम बंगाल तथा इससे संस्पर्शी पूर्वी भागों की एक व्यापारिक फ़सल है। विभाजन के दौरान देश का विशाल जूट उत्पादक क्षेत्र पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) में चला गया।

प्रमुख उत्पादन क्षेत्र- आज भारत विश्व का लगभग 60 प्रतिशत जूट उत्पादन करता है। पश्चिम बंगाल देश के इस उत्पादन का तीन-चौथाई भाग पैदा करता है। बिहार व आसाम अन्य जूट उत्पादक क्षेत्र हैं। यह देश के कुल शस्य क्षेत्र के 0.5 प्रतिशत भाग पर ही बोया जाता है।

गन्ना:

महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ- गन्ना एक उष्ण कटिबंधीय फ़सल है। वर्षा पर निर्भर परिस्थितियों में यह केवल आर्द्र व उपार्द्र जलवायु वाले क्षेत्रों में बोई जा सकती है। भारत में इसकी खेती अधिकतर सिंचित क्षेत्रों में की जा सकती है।

प्रमुख उत्पादन क्षेत्र- गंगा-सिंधु के मैदानी भाग में इसकी अधिकतर बुवाई उत्तर-प्रदेश तक सीमित है। पश्चिमी भारत में गन्ना उत्पादक प्रदेश महाराष्ट्र व गुजरात तक विस्तृत है। दक्षिण भारत में इसकी कृषि कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना व आंध्र प्रदेश के सिंचाई वाले भागों में की जाती है। ब्राजील के बाद भारत दूसरा बड़ा गन्ना उत्पादक देश था (2018)। यहाँ विश्व के 19.76 प्रतिशत गन्ने का उत्पादन होता है। देश के कुल शस्य क्षेत्र के 2.4 प्रतिशत भाग पर ही इसकी कृषि की जाती है। देश के कुल शस्य क्षेत्र के 2.4 प्रतिशत भाग पर ही इसकी कृषि की जाती है। उत्तर प्रदेश देश का 40 प्रतिशत गन्ना उत्पादन करता है। इसके अन्य प्रमुख उत्पादक राज्य महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु आंध्र प्रदेश हैं, जहाँ इसका उत्पादन स्तर अधिक है। उत्तरी भारत में इसका उत्पादन कम है।

अथवा

भूराजस्व अभिलेख द्वारा अपनाया गया भू-उपयोग वर्गीकरण-

- **वनों के अधीन क्षेत्र-** सरकार ने वर्गीकृत वन क्षेत्र का सीमांकन इस प्रकार किया जहाँ वन विकसित हो सकते हैं। भूराजस्व अभिलेखों में इसी परिभाषा को सतत अपनाया गया है। इस प्रकार इस संवर्ग के क्षेत्रफल में वृद्धि दर्ज हो सकती है परंतु

इसका अर्थ यह नहीं है कि वहाँ वास्तविक रूप से वन पाए जाएंगे।

- **बंजर व व्यर्थ-भूमि-** वह भूमि जो प्रचलित प्रौद्योगिकी की मदद से कृषि योग्य नहीं बनाई जा सकती है। उदाहरण-बंजर पहाड़ी भूभाग, मरुस्थल, खड्ड आदि।
- **गैर कृषि-कार्यों में प्रयुक्त भूमि-** इस संवर्ग में बस्तियाँ अवसंरचना उद्योगों, दुकानों आदि हेतु भू-उपयोग सम्मिलित हैं।
- **स्थायी चरागाह क्षेत्र-** इस प्रकार की अधिकतर भूमि पर ग्राम पंचायत या सरकार का स्वामित्व होता है। इस भूमि का केवल एक छोटा भाग निजी स्वामित्व में होता है। यह क्षेत्र पशु-चराई के लिए उपयोगी है।
- **विविध तरु-फ़सलों व उपवनों के अंतर्गत क्षेत्र-** इस संवर्ग में वह भूमि सम्मिलित है जिस पर उद्यान व फलदार वृक्ष हैं।
- **कृषि योग्य व्यर्थ भूमि-** वह भूमि जो पिछले पाँच वर्षों तक या अधिक समय तक परती या कृषिरहित है, इस संवर्ग में सम्मिलित की जाती है।
- **वर्तमान परती भूमि-** वह भूमि जो एक कृषि वर्ष या उससे कम समय तक कृषिरहित रहती है, वर्तमान परती भूमि कहलाती है।
- **पुरातन परती भूमि-** यह भी कृषि योग्य भूमि है जो एक वर्ष से अधिक लेकिन पाँच वर्षों से कम समय तक कृषिरहित रहती है।
- **निवल बोया क्षेत्र-** वह भूमि जिस पर फ़सलें उगाई व काटी जाती हैं, निवल बोया गया क्षेत्र कहलाता है।

खण्ड - य

21.

22.

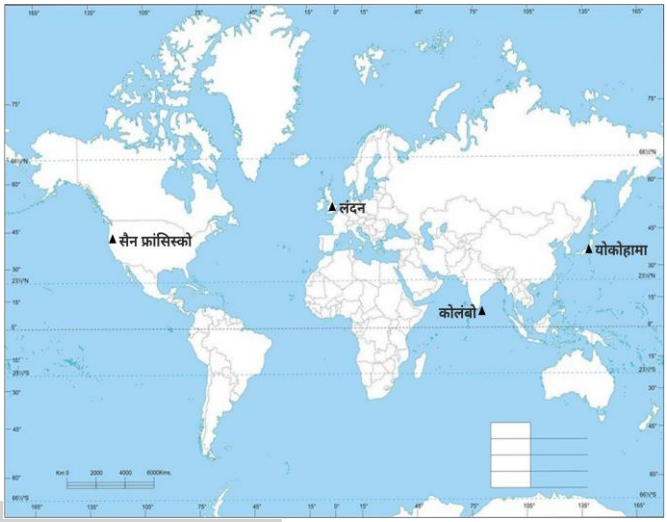

#अब कामयाबी पर होगा सबका हक़

UTKARSH CLASSES | CLASS 6-12

Smart e-Learning Programme

उत्कर्ष एप से घर बैठे कीजिए ऑनलाइन ट्यूशन और बनिए क्लास में टॉपर

उत्कर्ष एप में गुणवत्तामूलक स्कूली शिक्षा के ऑनलाइन कोर्सेस नाममात्र के शुल्क में उपलब्ध

QR Code Scan
कर आज ही
'उत्कर्ष एप'
डाउनलोड करें

Academic Session 2022-23

Class VI-VIII	~~₹10,000~~	₹1999	CBSE | RBSE & Other 7 State Boards
Class IX-X	~~₹15,000~~	₹2999	
Class XI-XII	~~₹18,000~~	₹3499	

₹1200/- per subject Live	₹600/- per subject Recorded

Class XI-XII
(Science, Commerce & Arts)

• **LIVE & Recorded Classes** • **English & Hindi Medium**

आज से ही बनाएँ अपनी पढ़ाई को और बेहतर
Utkarsh Online Tuition के साथ

उत्कर्ष एप ही क्यों ?

- विख्यात व अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की टीम
- फैकल्टी द्वारा हस्तलिखित पैनल PDF & e-Notes
- नियमित टेस्ट द्वारा मूल्यांकन (MCQs & Self Assessment)
- टॉपिकवाइज़ क्विज़ एवं उनका वीडियो व्याख्यान
- Live Poll during interactive classes.
- 4K डिजिटल पैनल पर इंटरैक्टिव कक्षाएँ
- 360° Rapid Revision.

15 M+ SUBSCRIBERS
2 M+ SUBSCRIBERS
10 M+ DOWNLOADS
1 M+ FOLLOWERS

UTKARSH CLASSES

www.utkarsh.com support@utkarsh.com